

चूड़ीदार वि. (देश.+फा.) जिसमें चूड़ी, छल्ले या इसी आकार के घेरे पड़े हों।

चूत पुं. (तत्.) आम का पेड़ स्त्री. भग, योनि, स्त्रियों की भगेंद्रिय।

चूतक पुं. (तत्.) 1. आम का पेड़ 2. छोटा कुआँ।

चूतड़ पुं. (देश.) कमर के नीचे और जाँघ के ऊपर गुदा के बगल का माँसल भाग मुहा. चूतड़ दिखाना- कठिन समय पर भाग जाना, पीठ दिखाना; चूतड़ पीटना- बहुत प्रसन्न होना।

चूतिया वि. (देश.) मूर्ख, बुद्धू, नासमझ।

चूतियापंथी स्त्री. (देश.) मूर्खता, नासमझी, बेवकूफी।

चून पुं. (तद्.) 1. आटा, पिसान 2. चुगने या खाने की वस्तु।

चूना पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का तीक्ष्ण क्षार भस्म जो पत्थर, कंकड़, मिट्टी सीप, शंख या मोती आदि पदार्थों को भट्ठियों में फूँककर बनाया जाता है मुहा. चूना काटना- खुजली होना; चूना फेरना- चूने की सफेदी करना; चूना लगाना- धोखा देना, लज्जित करना अ.क्रि. 1. टपकना 2. बूँद-बूँद करके नीचे गिरना 3. पके या सूखे फल का नीचे गिरना प्रयो. बरसात में छत से पानी चूने लगता है 4. गर्भ गिरना।

चूनादानी स्त्री. (देश.) वह छोटी डिबिया या इसी प्रकार का पात्र जिसमें पान या सुरती के साथ खाने के लिए चूना रखा जाता है, चुनौटी।

चूपड़ी स्त्री. (देश.) घी चुपड़ी या लगी हुई रोटी।

चूमना स.क्रि. (तद्.) स्नेह प्रकाशन के लिए होठों से किसी (प्रिय जन) के होठों, गालों आदि का स्पर्श करना, दबाना, चूम लेना, सम्मान-प्रकाश के लिए किसी के हाथ या पाँव को होठों से छूना, चुंबन करना, बोसा लेना मुहा. चूमना चाटना- प्यार करना पुं. (तत्.) हिंदुओं में विवाह की एक रस्म जिसमें वर की अंजुली में चावल और जौ भर कर पाँच सुहागिनी स्त्रियाँ मंगल गीत गाती हुई वर के माथे, कंधे और घुटने आदि पाँच अंगों

को हरी दूब से छूती हैं और तब उस दूब को चूमकर फेंक देती हैं।

चूमा पुं. (तद्.) चूमने की क्रिया, चुंबन।

चूमाचाटी पुं. (देश.) चूमने और चाटने का काम, चुंबन-आलिंगन, चूम और चाट कर प्रेम प्रकट करने की क्रिया।

चूर पुं. (तद्.) 1. किसी पदार्थ के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े जो उस पदार्थ को खूब तोड़ने, कूटने आदि से बनते हैं मुहा. चूर चूर करना- किसी पदार्थ के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े करना 2. किसी पदार्थ के महीन कण जो रेतने या आरी से चीरने पर निकलते हैं, बुरादा, भूर वि. 1. तन्मय, निमग्न, तल्लीन 2. जिस पर नशे का बहुत प्रभाव हो, नशे में मदमस्त प्रयो. वह भाँग के नशे में चूर था।

चूरण पुं. (तद्.) दै. चूर्ण।

चूरन पुं. 1. (तद्.) दै. चूर्ण 2. बहुत महीन पिसी हुई पाचक औषधी का चूर्ण।

चूरनहार पुं. (तद्.) एक प्रकार की जंगली बेल, जिसके पत्ते बहुत लंबे, चिकने और कुछ मोटे होते हैं।

चूरना स.क्रि. (तद्.) 1. चूर करना, टुकड़े-टुकड़े करना 2. तोड़ना।

चूरमा पुं. (तद्.) रोटी या पूरी को चूर-चूर करके घी में भूना हुआ और चीनी मिलाया हुआ एक खाद्य पदार्थ।

चूरा पुं. (तद्.) किसी वस्तु का पीसा हुआ भाग, चूर्ण, बुरादा।

चूर्ण पुं. (तत्.) 1. सूखा पीसा हुआ या बहुत ही छोटे टुकड़े में किया हुआ पदार्थ 2. कई पाचक औषधियों का बारीक पीसा हुआ चूरन 3. अबीर 4. धूल, गर्द 5. चूना 6. कौड़ी, कपर्दक 7. आटा 8. गंध द्रव्य का चूर्ण वि. 1. किसी प्रकार तोड़ा-फोड़ा या नष्ट भ्रष्ट किया हुआ 2. चूर्ण किया हुआ।